दिन होली का है आया

दिन होली का है आया ब्रज में मिलके रंग जमाया,
होली खेलनी पड़ेगी लड्डमार जी.....

चाहे गोकुल का तू छोरा मोहन नटवर नन्द किशोरा,
आज बरसाने में होगी तेरी हार जी,
होली खेलनी पड़ेगी लड्डमार जी.....

तुमको कर दे पानी पानी तो देखे राधा रानी,
है छुपके छुपाके जिससे तेरा प्यार जी,
होली खेलनी पड़ेगी लड्डमार जी.....

सारा देखेगा बरसाना कैसे पीटता है दीवाना,
कर दे तरबतर पिचकारी मार मार जी,
होली खेलनी पड़ेगी लड्डमार जी.....

आया कमलसिंह ले टोली हम भी छोड़े ना हम जोली,
आज लड्डों से करेगे सत्कार जी,
होली खेलनी पड़ेगी लड्डमार जी.....

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/30898/title/din-holi-ka-hai-aaya

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |